ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

7-11-2022

पुराने संस्कार, व्यर्थ संकल्प वा विकल्प के रूप में जब इमर्ज होते हैं तब बुद्धि में एक ही शब्द आता है कि यह क्यों हुआ, क्यों से व्यर्थ संकल्पों की क्यू शुरू हो जाती है। इस क्यू की समाप्ति के बाद ही सम्पूर्णता आयेगी। फिर वह क्यू लगेगी। जब क्यों शब्द निकल जायेगा तब ड्रामा की भावी पर एकरस स्थेरियम रहेंगे।

Now transform the old nature and old sanskars.

When the old sanskars emerge again in the form of wasteful or sinful thoughts, then the one thing that enters your intellect is: "Why did this happen?" Then, from this one question of "Why?" arise a whole queue of waste thoughts. Only when you finish this "why?" (kyu) will there be perfection. Then the other queue will start. When the word "why?" is removed, you will remain stable on the destiny of the drama.